# छत्तीसगढ़ में CRPF का नया ऑपरेशन बेस

## चर्चा में क्यों?

केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF) ने छत्तीसगढ़ के दक्षिण बस्तर क्षेत्र में माओवादी गलियारे में एक नया ऑपरेशन बेस स्थापित किया गया, जिससे राज्य के वामपंथी उग्रवाद प्रभावित क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति प्रबल हुई है।

## मुख्य बिंदु

- **फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (FOB): परिचय**
  - **196वीं और 205वीं** कमांडो बटालियन फॉर रेज़ोल्यूट एक्शन (CoBRA) ने अन्य अर्द्धसैनिक इकाइयों के साथ मिलकर इस बेस की स्थापना में सहायता की।
  - FOB एक सुदूर पहाड़ी क्षेत्र में है, जहाँ माओवादी प्रशिक्षण शिविर, हथियार, गोला-बारूद के भंडार और राशन इकाइयाँ स्थित हैं।
  - यह दक्षिण और पश्चिम बस्तर संभाग के **माओवादियों के गढ़** में स्थित है।
- **सुरक्षा चुनौतियाँ और प्रतिरोध:**
  - यह क्षेत्र सशस्त्र माओवादी कैडरों की पहली बटालियन के संचालन केंद्र के रूप में कार्य करता है।
  - CRPF ने माओवादियों द्वारा अपने शहीदों की याद में बनाए गए लाल रंग के ऊँचे स्मारक को भारी मिट्टी हटाने वाली मशीन से ध्वस्त कर दिया।
- **सरकारी रणनीति और विस्तार:**
  - यह बेस **नए FOB की शृंखला में 13वाँ बेस है, जिसे केंद्र सरकार के मार्च 2026 तक** वामपंथी उग्रवाद को समाप्त करने के लक्ष्य के तहत बनाया जा रहा है।
  - माओवादियों के वार्षिक **सामरिक जवाबी आक्रामक अभियान (TCOC) के शुरू होने से पहले और अधिक FOB बनाने की योजना बनाई गई है।**
    - TCOC **नक्सलियों द्वारा किया जाने वाला ग्रीष्मकालीन आक्रमण** है, जो शुष्क वनों में बेहतर दृश्यता का लाभ उठाकर सुरक्षा बलों पर हमला करता है।
- **छत्तीसगढ़ में नक्सल विरोधी अभियान:**
  - **पिछले तीन-चार वर्षों** में CRPF ने **छत्तीसगढ़ में 40 से अधिक पैदल पुल स्थापित किये हैं।**
  - सबसे तीव्र नक्सल विरोधी अभियान ओडिशा और तेलंगाना की सीमा से लगे दक्षिणी बस्तर में केंद्रित हैं।

## केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल (CRPF)

- CRPF की स्थापना 1939 में रियासतों में राजनीतिक उथल-पुथल और अशांति के जवाब में **क्राउन रिप्रेजेंटेटिव पुलिस के रूप में की गई थी।**
- 1949 में इस बल का **नाम बदलकर केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल कर दिया गया।**
- **तत्कालीन गृहमंत्री** सरदार वल्लभ भाई पटेल ने CRPF की बहुमुखी भूमिका की कल्पना की थी तथा इसके कार्यों को नव स्वतंत्र राष्ट्र की उभरती जरूरतों के अनुरूप ढाला था।
- **कोबरा (CoBRA):**
  - यह **भारत के केंद्रीय रिज़र्व पुलिस बल की एक विशेष ऑपरेशन इकाई है** जो गुरिल्ला रणनीति और जंगल युद्ध में कुशल है। मूल रूप से **नक्सलवादी आंदोलन का मुकाबला करने के लिये स्थापित किया गया था।**
  - CoBRA को विषम युद्ध में संलग्न विद्रोही समूहों से निपटने के लिये तैनात किया गया है।

//

# वामपंथी उग्रवाद

## परिचय

- **उत्पत्ति:** वर्ष 1967 में पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी में विद्रोह
- **उद्देश्य:** क्रांतिकारी तरीकों के माध्यम से सामाजिक और राजनीतिक बदलाव

## विचारधारा

- सशस्त्र क्रांति (हिंसा और गुरिल्ला पद्धति) के माध्यम से केंद्र सरकार का विरोध
- माओवादी सिद्धांतों पर आधारित साम्यवादी राज्य की स्थापना

## ज़िम्मेदार कारक

- विकास परियोजनाओं, खनन कार्यों के कारण **जनजातीय आबादी का वृहद् स्तरीय विस्थापन**
- **आदिवासी असंतोष;** वन (संरक्षण) अधिनियम 1980 जनजातियों को वन संसाधनों की कटाई करने से रोकता है
- **निर्धनता और स्थायी साधनों की कमी;** नक्सली आंदोलन में शामिल होने के लिये प्रेरक कारक
- **प्रभावी शासन का अभाव;** नक्सलवाद के विरुद्ध अपर्याप्त तकनीकी खुफिया जानकारी

## वामपंथी उग्रवाद से प्रभावित राज्य

- **रेड कॉरिडोर:** गंभीर नक्सलवाद-माओवादी विद्रोह का अनुभव
- छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और केरल

## वामपंथी उग्रवाद पर अंकुश लगाने हेतु सरकारी पहलें

- वामपंथी उग्रवाद से निपटने के लिये राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना 2015
- SAMADHAN सिद्धांत
  - S- स्मार्ट लीडरशिप
  - A- एग्रेसिव स्ट्रेटेजी
  - M- मोटिवेशन एंड ट्रेनिंग
  - A- एक्शनेबल इंटेलिजेंस
  - D- डैशबोर्ड-बेस्ड KPIs (Key Performance Indicators) और KRAs (Key Result Areas)
  - H- हार्नेसिंग टेक्नोलॉजी
  - A- एक्शन प्लान फॉर इच थिएटर
  - N- नो एक्सेस टू फाइनेंसिंग
- सार्वजनिक अवसंरचना और सेवाओं में विशेष केंद्रीय सहायता (SCA)
- ऑपरेशन ग्रीन हंट
- **ग्रेहाउंड** (आंध्र प्रदेश का इलीट कमांडो फॉर्स)
- **बस्तरिया बटालियन** (छत्तीसगढ़ में स्थानीय नियुक्तियाँ जो भाषा और इलाके से परिचित हैं, जिससे खुफिया जानकारी एकत्रित की जा सके और ऑपरेशन किये जा सकें)

### नक्सलवाद का सामना- बंदोपाध्याय समिति (वर्ष 2006)

- इसमें जनजातियों के प्रति आर्थिक, सामाजिक-राजनीतिक और सांस्कृतिक भेदभाव एवं शासन की अपर्याप्त नीतियों पर प्रकाश डाला गया
- इसमें आदिवासियों के लिये भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास की सिफारिश की गई

Drishti IAS

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/crpfs-new-operations-base-in-chhattisgarh